जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 20 प्रभात अजमेर, बुधवार 20 अगस्त, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर एआईसीसी की सदस्यता के लिए छटपटा रहे हैं

स्व. राजीव गांधी की जयंती की आड़ में सोनिया गांधी की नज़रों में आने की कोशिश में जुटे हैं गहलोत

- स्व. राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के सिलसिले में अशोक गहलोत दिल्ली पहुंच गए हैं जहां वे 20 अगस्त को सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेगें।
- वे खुद भी अपनी संस्था, राजीव गांधी स्टडी सर्किल, के जरिए एक कार्यक्रम कर रहे हैं जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी को आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में उन्होंने दिल्ली में बैठे अपने सभी हितैषियों, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, पी. चिदम्बरम आदि को भी आमंत्रित किया है।
- सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी गहलोत के कार्यक्रम में संभवतया नहीं जाएंगी, क्योंकि गांधी परिवार ने गहलोत को 25 सितम्बर 2023 की उस घटना के लिए माफ नहीं किया है जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए उन्होंने बगावत कर दी थी और बरसों का विश्वास एक पल में खो दिया था।
- गांधी परिवार में ''अवांछित'' और ''महत्वहीन'' बन चुके गहलोत बार-बार प्रयास कर रहे हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार से गांधी परिवार में जगह मिल जाए।
- विडम्बना है कि गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर लालच में उठाए गए एक कदम ने उन्हें कहीं का भी नहीं रखा, उन्हें अब एआईसीसी की सदस्यता मात्र पाने के लिए हाथ पैर मारने पड़ रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज दोपहर दिल्ली पहुँचे। वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती को बहाना बनाकर गांधी परिवार से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, जहाँ वे 25 सितंबर 2023 से ''पर्सोना नॉन ग्राटा'' (महत्वहीन एवं नगण्य मात्र) बन कर रह गए हैं, जब उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत का नेतृत्व किया था।

अशोक गहलोत सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसके बाद वे राजीव गांधी स्टडी सर्कल का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसमें उन्होंने कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया है।

राजीव गांधी फ़ाउंडेशन के ट्रस्टी और कार्यकारी समिति के सदस्य पी. चिदंबरम आमंत्रितों में शामिल हैं। उनके साथ जयराम रमेश, मुकुल वासनिक और अन्य एआईसीसी पदाधिकारी भी आमंत्रित हैं।

सूत्रों का कहना है कि फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को भी निमंत्रण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन के विदेश मंत्री ने प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाये रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि भारत इस मुद्दे के पर परस्पर स्वीकार्य समधान के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने भारत की यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ यहां मंगलवार को बातचीत में यह बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मोदी ने वांग से कहा कि सीमा प्रश्न के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

- चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्र.मंत्री मोदी को शंघाई कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में आने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निमंत्रण दिया। मोदी ने निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया।

चीन के विदेश मंत्री ने अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें चीन में इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से निमंत्रण दिया। मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन के निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और उसे स्वीकार किया। उन्होंने चीन की अध्यक्षता में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग से उत्साह तो जगा पर भरोसा नहीं बना

जैलेंस्की ने ट्रम्प को धन्यवाद दिया और ट्रम्प भी जैलेंस्की से काफी खुश दिखे

- जबकि पिछली बार इसी ओवल ऑफिस में हुई एक मीटिंग में ट्रम्प ने जैलेंस्की को बहुत ज्यादा अपमानित किया था।
- ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग के बाद ''कोअलिशन ऑफ द विलिंग'' (यूक्रेन समर्थक पश्चिमी देश) की बैठक हुई, इस बैठक का महत्व इतना जरूर रहा कि रूस के मुकाबले पश्चिमी यूरोप एकजुट हो गया, जो हाल ही में बिखरा हुआ सा लग रहा था।
- मीटिंग में ट्रम्प ने त्रिपक्षीय मीटिंग का प्रस्ताव रखा जिसमें रूस व अमेरिका के साथ यूक्रेन भी शामिल हो, पर पुतिन संभवतया इस प्रस्ताव को नहीं मानेगें क्योंकि वे जैलेंस्की को यूक्रेन का वैध राष्ट्रपति ही नहीं मानते हैं।
- यही नहीं, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी की बात भी शायद रूस स्वीकार ना करे क्योंकि वह नहीं चाहता कि यूक्रेन को ऐसी कोई सुरक्षा गारंटी मिले जो नाटो की सदस्यता से मिल सकती है।

-अंजन रॉय-
- राष्ट्रीय ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सोमवार को वाइट हाउस में हुई उत्साहभरी बैठक के बाद अब यूक्रेन संकट के समाधान पर गंभीर विचार सामने आने लगे हैं।

सोमवार की एकतरफ़ा बातचीत, यानी पश्चिमी देशों की आपसी बातचीत जिसमें रूस शामिल नहीं था, ने शांति समाधान की ओर कई कदम बढ़ाए। डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की से ओवल ऑफिस में दोस्ताना मुलाक़ात की, जहाँ पिछली बार उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार हुआ था।

ट्रंप ज़ेलेन्स्की से खुश दिखे और ज़ेलेन्स्की ने भी अस्थिर स्वभाव वाले ट्रंप का भरपूर धन्यवाद किया जिससे माहौल बना। ट्रंप को बातचीत में नोबेल पुरस्कार की संभावना भी नज़र आने लगी।

इसके बाद ''कोअलिशन ऑफ द विलिंग'' (यूक्रेन का समर्थन करने वाले पश्चिमी देशों को यह नाम दिया गया है) की बैठक ने रुसी खतरे का सामना करने में पश्चिमी यूरोप की एकजुटता को और मज़बूत कर दिया। ऐसा दृश्य दूसरे ट्रंप प्रशासन की शुरुआत के बाद पहली बार देखा गया।

यह पश्चिमी देशों के लिए एक ठोस रणनीतिक जीत थी, क्योंकि पुतिन का मुख्य उद्देश्य पश्चिमी गठबंधन को तोड़ना था, जो नाकाम हो गया। सम्पूर्ण पश्चिमी गुट को किसी मुद्दे पर एक साथ खड़ा देखना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शायद पहली बार हुआ।

तीसरे, डॉनल्ड ट्रंप ने वादा किया कि अगला कदम, रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बैठक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद रहेंगे और सक्रिय भागीदारी करेंगे। ट्रंप इस बात पर अड़े थे कि अंतिम शांति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीम इंडिया में शुभमन गिल की शानदार वापसी

एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं शुभमन गिल

- टीम इंडिया दस सितम्बर को दुबई में यू.ए.ई. के खिलाफ मैच खेलकर अपना अभियान शुरू करेगी।
- टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुभमन गिल की वापसी को टीम के लिए फायदे मंद बताया।
- तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी मौका दिया गया है।

मुंबई, 19 अगस्त। एशिया कप 2025 के लिए भारत के 15 सदस्यीय दल में शुभमन गिल को न केवल मौका दिया गया है बल्कि उन्हें टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। मुंबई के बीसीसीआई हेडक्वार्टर में चयन समिति की बैठक के बाद एशिया कप के लिए मंगलवार को टीम का ऐलान कर दिया गया। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया गया है लेकिन गिल को उपकप्तान बनाए जाने के बाद, इस बात की उम्मीद की जा सकती है, वह पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गिल की वापसी के संदर्भ में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने (शुभमन गिल) टीम की अगुवाई की थी। जब हम श्रीलंका गए तब वह उपकप्तान थे। इसके बाद हम टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त हो गए लेकिन उनकी वापसी हमारे लिए अच्छी है। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद यह बड़ी सीरीज है और यह खुद को जांचने का अच्छा मौका है।

जितेश शर्मा को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने आरसीबी के लिए हालिया आईपीएल में काफी कमाल की बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में हर्षित राणा को मौका दिया गया है।

अगर मध्य और निचले क्रम में बल्लेबाजी के विकल्प के बारे में बात की जाए तो टीम में कैप्टन सूर्यकुमार, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा हैं। अगर भारत गिल और अभिषेक से पारी की शुरुआत करता है तो जितेश को पहली पसंद विकेटकीपर के तौर पर उतारा जा सकता है। टीम में तीन ऑलराउंडर हैं, जिसमें अक्षर पटेल,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों से उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन का समर्थन करने की अपील की है।

मोदी ने यहां संसद भवन के सभागार में राजग सांसदों की बैठक में सभी सांसदों, विशेष रूप से विपक्षी दलों से राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की ताकि उन्हें सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति चुना जाये।

- राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रत्याशी हैं।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, मंगलवार सुबह दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में भाग लिया। उपराष्ट्रपति पद के लिए सी पी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के पक्ष में उत्साह देखकर प्रसन्नता हुई।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में उपराष्ट्रपति चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या उपराष्ट्रपति का चुनाव राजनैतिक समीकरणों में उलटफेर कर पाएगा?

सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने इसी रणनीति के आधार पर प्रत्याशी घोषित किए हैं

- विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने आंध्र प्रदेश में जन्मे सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी घोषित किया है, इसका लक्ष्य आंध्र के मुख्यमंत्री चन्द्र बाबू नायडू हैं। हालांकि तेलुगुदेशम ने एनडीए के प्रत्याशी राधाकृष्णनन के प्रति पूर्ण समर्थन जताया है पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।
- एनडीए अपने प्रत्याशी एस राधाकृष्णन, जो मूलतः संघ से जुड़े रहे हैं, के नाम पर तमिल कार्ड खेल रहा है। राधाकृष्णन का प्रचार देख रहे राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर समर्थन भी मांगा है, हालांकि स्टालिन ने कुछ नहीं कहा है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सत्तारूढ़ एनडीए (नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस) को मुश्किल में डालने की एक चतुर चाल के तहत, इंडिया गठबंधन ने आज सुप्रीम कोर्ट पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का उम्मीदवार घोषित किया, जिससे यह मुकाबला आरएसएस बनाम गैर-आरएसएस में तब्दील हो गया है।

9 सितंबर को होने वाला यह चुनाव न्यायमूर्ति रेड्डी, जो एक पेशेवर न्यायविद हैं तथा सी.पी. राधाकृष्णन जो आरएसएस से जुड़े रहे हैं, के बीच जनमानस में एक प्रतीकात्मक टकराव के रूप में देखा जाएगा।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश होने के अलावा, रेड्डी गोवा के पहले लोकायुक्त भी रहे हैं।

खड़गे ने कहा, इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों ने एक साझा उम्मीदवार पर सहमति जताई है, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मैं खुश हूं कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए हैं। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

भाजपा ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल और तमिलनाडु के पूर्व वरिष्ठ नेता सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया था। यह कदम अगले साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया माना जा रहा है।

विपक्षी दलों ने सोमवार को ही उपराष्ट्रपति पद के लिए एक ऐसे उम्मीदवार पर विचार शुरू कर दिया था जो न केवल विपक्ष के भीतर बल्कि गैर-सम्बद्ध दलों में भी स्वीकार्य हो।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राधाकृष्णन के समर्थन में चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं।

राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से संपर्क किया था, ताकि न केवल एनडीए की संख्या को मजबूत किया जा सके, बल्कि तमिल कार्ड खेल कर विपक्षी खेमे में भी फूट डाली जा सके। लेकिन संकेतों से लगता है कि स्टालिन ने राधाकृष्णन को समर्थन देने का कोई वादा नहीं किया।

इंडिया गठबंधन ने उम्मीदवार को लेकर दो दौर की बातचीत की थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोचिंग छात्रा से नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म

जयपुर, 19 अगस्त। गांधी नगर थाना इलाके में पड़ोसी युवक द्वारा नशीला पदार्थ पिलाकर होटल में कोचिंग छात्रा से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपित इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो-वीडियो अपलोड कर छात्रा को ब्लैकमेल भी करने लगा। गांधी नगर थाने में दी गई शिकायत पर पुलिस

- दुष्कर्म के दौरान बनाये अश्लील फोटो-वीडियो अपलोड होने के बाद पीड़िता ने एफआईआर कराई।

ने जीरो नंबर एफआईआर काटकर करौली भेजी है।

पुलिस ने बताया कि करौली की रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि वह जयपुर के एक कोचिंग सैंटर में पढ़ाई कर रही है। गत 30 मई को वह जयपुर आने के लिए बस में बैठी थी। गांव का ही पड़ोसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ग्लोबल रेटिंग में सुधार न केवल रिवॉर्ड, बल्कि रिमाइंडर है'

अमेरिकन ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ''स्टैण्डर्ड एण्ड पुअर'' द्वारा भारत की रेटिंग अपग्रेड करने पर विशेषज्ञों ने राय व्यक्त की

- विशेषज्ञों ने कहा, यह रिवॉर्ड है मौद्रिक एवं वित्तीय अनुशासन का और यह रिमाइंडर है कि क्रैडिबिलिटी कायम रखना एक सतत् प्रक्रिया है, अगर भारत ने ग्रोथ एवं स्थिरता में नाज़ुक संतुलन कायम रखा तो आगे इसकी रेटिंग और बेहतर हो सकती है।
- विशेषज्ञों ने माना कि देर से ही सही पर अब भारत को ''अपग्रेड'' किया गया है लेकिन अभी लम्बी लड़ाई बाकी है।
- एस एण्ड पी द्वारा रेटिंग अपग्रेड करने से भारत इंडोनेशिया व मैक्सिको के बराबर आ गया है और अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई है।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 अगस्त। अमेरिकन ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी स्टैंडर्ड एण्ड पुअर (एस एण्ड पी) द्वारा भारत की संप्रभु रेटिंग स्थिर आउटलुक के साथ बी बी बी तक अपग्रेड करना, केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है क्योंकि गत 18 सालों में पहली बार ऐसा हुआ, यह असल में भारत की आर्थिक मजबूती, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और वैश्विक उथल-पुथल के बीच टिकाऊ विकास कहानी का ''बहुत देर से मिली लेकिन जरूरी मान्यता'' है। वर्षों से, बाज़ार और निवेशक भारत को उसकी रेटिंग से कहीं अधिक मजबूत क्रेडिट रिस्क मानते रहे हैं अब इसकी औपचारिक पुष्टि हो गई है।

यह अपग्रेड केवल आंकड़ों के कारण महत्वपूर्ण नहीं है जैसे कि वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच औसतन 8.8 की जीडीपी वृद्धि, वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशित की अनुमानित वृद्धि, घटता हुआ राजकोषीय घाटा और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सतत निवेश आदि, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह दुनिया को एक संकेत देता है भारत अब वैश्विक परिस्थितियों में केवल टिकने वाला देश नहीं है, बल्कि वह अपनी नीति अनुशासन और ''प्रिडिक्टिबिलिटी'' (पूर्वानुमान की क्षमता) के साथ अपनी दिशा खुद तय कर रहा है।

इस कहानी में राजकोषीय समेकन सरकार द्वारा खर्च और कर्ज को नियंत्रित करने की प्रक्रिया की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सरकारें सालों से कल्याणकारी खर्च और पूंजी निर्माण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रहीं हैं। वर्तमान मान्यता इस ओर इंगित करती है कि अब भारत ने खासकर ''इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचा और लॉजिस्टिक्स'' पर गुणवत्तापूर्ण खर्च को प्राथमिकता दी है, जिससे दीर्घकालिक विकास की गति तेज होती है। महंगाई लक्ष्य निर्धारण, मजबूत मौद्रिक नीति ढांचा और गहरे होते पूंजी बाजार जैसे सुधारों ने भारत को बाहरी झटकों, जैसे कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव या अब व्यापारिक टैरिफ, से बचाने में सुरक्षा कवच दिया है।

एस एण्ड पी का यह फैसला एक रणनीतिक संकेतक भी है। अब भारत की रेटिंग इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों के समान स्तर पर है, जबकि मूलभूत आधार के लिहाज से भारत शायद उनसे भी मजबूत है। यह अपग्रेड भारत के लिए निम्नलिखित लाभ ला सकता है:

इस अपग्रेड से संप्रभु जोखिम प्रीमियम में कमी हो सकती है, कॉरपोरेट्स के लिए उधारी की लागत में गिरावट और सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड्स में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है।

बाजार ने पहले ही सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है भारतीय बॉण्ड्स के प्रति रुचि बढ़ी है और बॉण्ड्स पर सालाना ब्याज भी आसान हुआ है।

लेकिन यह रेटिंग सुधार आत्मसंतोष का कारण नहीं बनना चाहिए। रेटिंग्स मूलतः पिछले प्रदर्शन पर आधारित संकेतक हैं, भविष्य की गारंटी नहीं। सरकार को चुनावी चक्रों के दौरान वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं करना चाहिए। साथ ही, अगर भारत को उत्पादकता में अगली बड़ी छलांग लगानी है, तो भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों को वास्तविक रूप में लागू करना होगा।

आलोचक यह सही कहते हैं कि यह मान्यता काफी देर से आई है। कोविड महामारी और वैश्विक वित्तीय संकटों के दौरान भारत के प्रदर्शन को देखते हुए रेटिंग एजेंसियों को पहले ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयशंकर तीन दिन की यात्रा पर रुस रवाना

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर आज रूस की तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे जहां वह रूस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के अलावा भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि डॉ जयशंकर की यह यात्रा रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के निमंत्रण पर हो रही है।

- विदेश मंत्री जयशंकर रुस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटूरोव के निमंत्रण पर रुस गए हैं।

यात्रा के दौरान वह बुधवार को निर्धारित भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)